



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 28, 1981/माघ 8, 1902

No. 27]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 28, 1981/MAGHA 8, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

(नारियल उद्योग विकास निबंधन)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1981

सा० का० नि० 34 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, नारियल विकास बोर्ड अधिनियम, 1979 (1979 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

अध्याय 1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम और विस्तार :—(1) इन नियमों का नाम नारियल विकास बोर्ड नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा :—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, :—

(क) "अधिनियम" से नारियल विकास बोर्ड अधिनियम, 1979 (1979 का 5) अभिप्रेत है;

(ख) "समिति" से बोर्ड द्वारा धारा 9 के अधीन नियुक्त की गई कोई समिति अभिप्रेत है;

(ग) "गजिव" से बोर्ड का सचिव अभिप्रेत है;

(घ) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;

(ङ) "उपाध्यक्ष" से बोर्ड का उपाध्यक्ष अभिप्रेत है;

(च) "मुख्य नारियल विकास अधिकारी" से धारा 7 की उपधारा (2) के अधीन नियुक्त किया गया मुख्य नारियल विकास अधिकारी अभिप्रेत है;

(छ) ऐसे अन्य शब्दों और पदों के, जो प्रयुक्त हुए हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, क्रमशः वे ही अर्थ होंगे जो उन अधिनियम में उनके हैं।

अध्याय 2

बोर्ड और उसकी समितियाँ

3. सदस्यों के रिक्त स्थान भरे जाने की रीति :—(1) केन्द्रीय सरकार, धारा 4 की उपधारा (4) के खण्ड (क), (ख) (ग) और (घ) में विनिर्दिष्ट हितों के प्रतिनिधि नियुक्त करने के पूर्व, यदि वह ठीक समझे, ऐसा परामर्श कर सकेगी।

(2) यदि बोर्ड के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है या वह राजपत्र दे देता है या यह समझा जाता है कि उसने त्यागपत्र दे दिया है या पद से हटा दिया जाता है या कार्य करने में असमर्थ हो जाता है, तो केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा उन रिक्त स्थान को भरने के लिये किसी व्यक्ति को नियुक्त कर सकती है।

परन्तु यदि रिक्त स्थान ऐसा है जिसे पदमुक्त होने वाला सदस्य, धारा 4 की उपधारा (4) के खण्ड (ड) के अधीन लोक सभा की अपनी सदस्यता के आधार पर धारण किए हुए था तो उस रिक्त स्थान में भगले व्यक्ति की नियुक्ति संसद के उस सदन द्वारा, जिसका पदमुक्त होने वाला व्यक्ति सदस्य था, नये निर्वाचन के आधार पर की जायेगी।

4. सदस्यों को पदावधि—इसमें इसके पश्चात् जैसा उपबन्धित है, उसके विषय—

- (i) सदस्य अपनी नियुक्ति की तारीख से अधिक से अधिक तीन वर्ष की अवधि के लिये पद धारण करेगा ;
- (ii) धारा 4 की उपधारा (4) के अधीन नियुक्त किया गया सदस्य, उस वक्ता में बोर्ड का सदस्य नहीं रह जायेगा जब वह संसद के उस सदन का, जिससे वह इस प्रकार विनिर्वाचित हुआ था, सदस्य नहीं रह जाता है, या उस प्रवर्ग/क्षेत्र का प्रतिनिधि नहीं रह जाता है जिसके लिये वह इस प्रकार नियुक्त किया गया था,

परन्तु सदस्य पुनर्नियुक्ति के लिये पात्र होगा।

(2) नियम 3 के उपनियम (2) के अधीन किसी प्राकृतिक रिक्ति को भरे जाने के लिये नियुक्त व्यक्ति, सब तक पद धारण करेगा जब तक कि वह सदस्य, जिसके स्थान पर उसे नियुक्त किया गया है, रिक्ति न होने की वक्ता में पद धारण करने का हकदार रहता।

5. त्यागपत्र :—(1) किसी सदस्य का पद उस तारीख से, जिस तारीख को उसका त्यागपत्र स्वीकार किया जाता है या त्यागपत्र की सूचना प्राप्त होती है, तब तक के अद्यतन पर, इनमें जो भी पूर्वतर है, रिक्त होगा।

(2) किसी सदस्य का त्यागपत्र स्वीकार करने की शक्ति अध्यक्ष में निहित होगी, जो त्यागपत्र स्वीकार करके उसकी रिपोर्ट, बोर्ड को उसके भगले अधिवेशन में करेगा।

6. बोर्ड से हटाया जाना :—केन्द्रीय सरकार, ऐसे किसी सदस्य को पद से हटा सकेगी जो,—

- (क) विद्वत्क्षिप्त है और किसी सक्षम न्यायालय ने जिसे ऐसा घोषित किया है, या
- (ख) अनुमोचित विवालिता है, या
- (ग) किसी ऐसे अपराध के लिये सिद्धाक्ष किया गया है जिसमें नैतिक अधमता अन्तर्बलित है, या
- (घ) अध्यक्ष की अनुमति के बिना बोर्ड के तीन क्रमवर्ती अधिवेशनों में हाजिर रहने में असफल रहता है।

7. भारत से अनुपस्थिति :—यदि बोर्ड को कोई सदस्य भारत से बाहर जाता है तो जाने से पूर्व वह—

- (क) बोर्ड के सचिव को भारत से अपने प्रस्थान और प्रत्यागत वापसी की तारीख प्रमाणित करेगा ;
- (ख) उस वक्ता में अपना त्यागपत्र विधिवत करेगा जब उसकी भारत से अनुपस्थिति की आशायित अवधि छः मास से अधिक की है।

8. सदस्यता-नामावली—सदस्य सदस्यों के नाम और उनके पतों का अभिलेख रखेगा।

9. पते में परिवर्तन—सदस्य अपने पते में किसी भी परिवर्तन की सूचना सचिव को देगा और यदि वह पते में ऐसे परिवर्तन की सूचना देने में असफल रहता है तो शासकीय अभिलेखों में वर्ज उसका पता, सभी प्रयोजनों के लिये उसका सही पता समझा जायेगा।

10. अध्यक्ष :—अध्यक्ष की, जो बोर्ड का मुख्य कार्यपालक भी होगा, नियुक्ति भारत सरकार ऐसे व्यक्तियों में से करेगी जिनके पास नारियल उत्पादन, विकास और प्रसंस्करण के लिये ज्ञान और अनुभव है।

11. उपाध्यक्ष :—(1) बोर्ड हर वर्ष अपने सदस्यों में से, एक उपाध्यक्ष का निर्वाचन, ऐसे निर्वाचन की तारीख से, या यदि निर्वाचन किसी विद्यमान उपाध्यक्ष की पदावधि के अवसान के पूर्व किया जाता है तो उस तारीख से, जिस तारीख को ऐसा उपाध्यक्ष पद रिक्त करेगा, बारह मास की अवधि के लिये करेगा।

(2) यदि कभी उपाध्यक्ष पद की, उसके त्यागपत्र दे देने या उसके सदस्य न रह जाने के कारण या अन्यथा प्राकृतिक रिक्ति होती है तो बोर्ड, अपने भगले अधिवेशन में, उपाध्यक्ष बनाने के लिये किसी अन्य सदस्य का निर्वाचन करेगा जो उस उपाध्यक्ष की पदावधि के अनवसित भाग के लिये पद धारण करेगा जिनके त्यागपत्र दे दिया है या जो बोर्ड का सदस्य नहीं रह गया है।

अध्याय 3

बोर्ड/बोर्ड के अधीन समिति के सदस्यों और बोर्ड द्वारा नियुक्त व्यक्तियों के यात्रा और अन्य भत्ते

12. बोर्ड और उसकी समितियों के सदस्यों और धारा 4 (8) के अधीन बोर्ड से नियुक्त व्यक्तियों या धारा 9 (2) के अधीन उसकी समितियों के सदस्य के रूप में सहयोगित सदस्यों के यात्रा और अन्य भत्ते—(1) बोर्ड या उसकी समितियों का कोई सदस्य या धारा 4 (8) के अधीन बोर्ड से नियुक्त कोई व्यक्ति या धारा 9 (2) के अधीन किसी समिति के सदस्य के रूप में सहयोगित कोई व्यक्ति, जो सरकारी सेवक नहीं है, बोर्ड के या उसकी सम्पत्ति, गठित समिति के किसी अधिवेशन में सम्मिलित होने के प्रयोजन के लिये या बोर्ड या संज्ञक समिति द्वारा उसे समनुवेष्टित किसी कर्तव्य के अनुपालन के लिये की गई किसी यात्रा की बाबत, केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाये गये नियमों या किये गये आदेशों के अधीन, जो तत्समय प्रवृत्त हैं, प्रथम श्रेणी के सरकारी सेवक को अनुलेख उच्चतम वर्ग पर यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता देने का हकदार होगा।

परन्तु संसद के सदस्यों को यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते का संवाय, संसद सदस्य वेतन, भत्ता और पेंशन, अधिनियम 1954 के अनुसार विनियमित किया जायेगा।

(2) बोर्ड द्वारा, उसकी किसी सदस्य समिति या किसी अन्य समिति में सेवा करने के लिये या बोर्ड के किसी अन्य कारबार में सम्मिलित होने के लिये विशेष रूप से नाम निर्दिष्ट किसी केन्द्रीय या राज्य सरकार के पदधारी द्वारा कोई यात्रा की जाने की वक्ता में, बोर्ड उसे अनुश्रेय यात्रा और दैनिक भत्ते का संवाय उन वर्ग पर करेगा जो उसे, उस सरकार के, जिसमें वह तत्समय नियोजित है, नियमों के अधीन अनुश्रेय है।

(3) बोर्ड या उसकी समिति के किसी सदस्य या बोर्ड द्वारा नियुक्त किसी अन्य व्यक्ति या उसकी समिति से सहयोगित किसी व्यक्ति को तब तक कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता अनुज्ञात नहीं किया जायेगा जब तक वह यह प्रमाणित नहीं कर देगा कि उसने उस यात्रा और विराम की बाबत, जिसके लिये दावा किया गया है, किसी अन्य स्रोत से यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं लिया है।

(4) यात्रा भत्ता, इन नियमों के अधीन हकदार किसी सदस्य को या किसी व्यक्ति को, उसके प्राथिक निवास स्थान से बोर्ड या उसकी समिति के किसी अधिवेशन के स्थान तक के लिये या उस स्थान तक के लिये जहाँ वह कारबार में सम्मिलित होने के लिये जाता है और वहाँ से अपने निवास स्थान तक वापस आने के लिये सदैव होगा।

परन्तु यदि यात्रा, उसके प्राथिक निवास स्थान में भिन्न किसी स्थान से प्रारम्भ होती है या वापसी यात्रा वहाँ पर समाप्त होती है तो यात्रा

भत्ता, उम रकम तक, जो उसे तब सदेव होंगे जब यात्रा उक्त प्रायिक निवास स्थान से प्रारम्भ या वहाँ पर समाप्त होती या की गई वास्तविक यात्रा की बाबत सदेव रकम तक, इनमें जो भी कम है, परिमोचित रहेगी।

परन्तु यह और कि, अध्यक्ष, विशेष परिस्थितियों में और केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से, किसी सदस्य को उसके प्रायिक निवास स्थान से निम्न स्थानों से भी यात्रा भत्ता अनुदान कर सकता है।

(5) अध्यक्ष, बोर्ड या उसकी किसी समिति के सदस्य के या बोर्ड से सहयुक्त किसी व्यक्ति या किसी समिति के सदस्य के रूप में सहयोजित किसी व्यक्ति के यात्रा और वैदिक भत्ते के प्रयोजन के लिये, नियन्त्रक अधिकारी होगा।

13 सवारी भत्ता बोर्ड या बोर्ड की किसी समितियों के अधिवेशनों में सम्मिलित होने के लिये या बोर्ड के किसी अन्य कारबार में सम्मिलित होने के लिये उन सदस्यों या व्यक्तियों को, जो यात्रा या दैनिक भत्ते लेते हैं, कोई सवारी भत्ता सदा नही दिया जायेगा।

परन्तु ऐसे किसी सदस्य या व्यक्ति को, जिसका निवास उस स्थान पर है जहाँ बोर्ड या किसी समिति का अधिवेशन होता है या जहाँ बोर्ड के किसी अन्य कारबार का व्यवहार किया जाता है, उसके द्वारा सवारी पर उपगत वास्तविक व्यय, अधिक से अधिक दस रुपये प्रतिदिन के अधीन रहते हुए, सदा दिया जा सकता है।

14 फीस का सदाय—बोर्ड से सहयुक्त किसी व्यक्ति को या बोर्ड की किसी समिति में सदस्य के रूप में सहयोजित किसी व्यक्ति को, बोर्ड के उद्देश्यों के अग्रसर करने में या अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों के अनुपालन में, यथा कदा होने वाले या आन्तरायिक प्रकृति के किसी विशेष कार्य के लिये फीस के रूप में 1000 रुपये तक का सदाय किया जा सकता है।

परन्तु फीस की अनुमोदना और उसकी मात्रा, प्रत्येक मामले में, केन्द्रीय सरकार द्वारा विरचित नियमों और आदेशों के अनुसार विनियमित की जायेगी।

परन्तु यह और कि, एक व्यक्ति को एक वर्ष में 1000 रुपये से ऊपर फीस, केवल केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से ही, मजूर की जा सकती है।

15 भारत में बाहर की गई यात्रा के लिए यात्रा भत्ता और वैदिक भत्ते आदि—

बोर्ड या किसी समिति के किसी सदस्य को या बोर्ड से सहयुक्त किसी व्यक्ति का या किसी समिति के सदस्य के रूप में सहयोजित किसी व्यक्ति को, भारत में बाहर की गई किसी यात्रा के लिये कोई यात्रा भत्ता संवत नही दिया जायेगा।

परन्तु यह कि यदि बोर्ड या किसी समिति का कोई सदस्य, केन्द्रीय सरकार की पूर्ण सहमति से, बोर्ड के हित में भारत से बाहर यात्रा करता है तो वह, ऐसी बरी पर, यात्रा और अन्य भत्ते पाने का हकदार होगा। जिन पर केन्द्रीय सरकार भारत से बाहर भेजे जाने वाले किसी प्रतिनिधि मंडल के अग्रानकीय सदस्य को समय-समय पर मजूर कर सकता है।

अध्याय 4

बोर्ड और उसका स्थापन

16 बोर्ड का स्थापन—(1) बोर्ड, विधि की उपलब्धता के अधीन रहते हुए या ता उस प्रयोजनार्थ एक विनिर्दिष्ट बजट उपबन्ध द्वारा या किसी समुचित शीर्षक के अधीन बचन द्वारा या विधिमार्ग पुनर्विनियोजन द्वारा, धारा 7 की उपधारा (6) के अधीन तथा इस उद्देश्य के लिये केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित स्टाफ विनियम के अनुसार यथा उप-बन्धित पद मजूर कर सकता है किन्तु यह तब जब उसकी राय में ऐसे

पदों का सृजन उसके हितों के दक्षतापूर्ण अनुपालन के लिये आवश्यक समझा जाता है।

परन्तु ऐसे कोई पद, जिसका अधिकतम वेतन या वेतनमान 1300 रुपये प्रतिमास से अधिक है, केन्द्रीय सरकार की मजूरी के बिना न तो सृजित किये जायेंगे और न उन पर नियुक्तियां ही की जायेंगी।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए,

(क) अध्यक्ष, ऐसे समूह “ग” पदों पर नियुक्तियां कर सकेगा, जिसका अधिकतम वेतन या वेतनमान 900 रुपये प्रतिमास से कम है,

(ख) अध्यक्ष, समूह “ब” पदों पर भी नियुक्तियां कर सकेगा।

17 पदों का उत्पादन—बोर्ड, ऐसा कोई भी पद, जिसे वह सृजन करने के लिये सक्षम है उत्पादित कर सकता है।

18 सीधी भर्ती द्वारा पदों का भरा जाना—अधिकारियों की पक्ति की ऐसी सभी रिक्तियां, जिसका अधिकतम वेतन या वेतनमान 1200 रुपये प्रतिमास से अधिक है या तकनीकी पद के रूप में वर्गीकृत अन्य पद, जिन्हें सीधी भर्ती द्वारा भरा जाता है, विज्ञापित किये जायेंगे और अन्य पदों की सभी रिक्तियां, सम्बद्ध केन्द्रीय सरकार के अधीन रिक्तियों को बाबत तत्समय प्रवृत्त नियमों और विनियमों के अनुसार स्थानीय राजार कार्यालय और अन्य अधिकरणों को अधिसूचित की जायेंगी और नियुक्तियां यथास्थिति, विज्ञापन के अनुसरण में आवेदन करने वाले या रोजगार कार्यालय द्वारा सकारित किये गये अभ्यायियों में से, की जायेंगी।

19 प्रान्ति द्वारा पदों का भरा जाना—अध्यक्ष, नियम 16 के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट प्रयोगों के पदों की बाबत प्रोन्नति द्वारा रिक्तियां भरते समय, ऐसे पदों पर प्रोन्नति के लिये पात्र सभी अभ्यायियों के दावों पर विचार करेगा।

20. वेतन, छुट्टी, भत्ते आदि—बोर्ड द्वारा नियुक्त सभी कर्मचारियों की बाबत वेतन, छुट्टी, भत्ते पेशन और सेवानिवृत्ति फायदे, सेवा की अन्य शर्तें और अन्य सुविधाएँ और रियायतें, जैसे वेतन आग्रह, वाहन क्य करने के लिये, भवन के सन्तर्माण के लिये और अन्य ऐसे ही कार्यों के लिये अधिम, तब तक केन्द्रीय सरकार के उन स्थानों पर तैनात तत्समय श्रेणियों या स्तरों के अधिकारियों और कर्मचारियों की तत्समय लागू ऐसे नियमों और विनियमों के अनुसार विनियमित किये जायेंगे जब तक कि बोर्ड पृथक विनियम नहीं बना लेता।

21 तैनाती और स्थानान्तरण—बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनाती और स्थानान्तरण, अध्यक्ष, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित स्टाफ विनियम के अनुसार करेगा परन्तु अध्यक्ष, अपनी यह शक्ति बोर्ड के अन्य अधिकारियों को, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो वह ठीक समझे, प्रत्यायोजित कर सकता है।

22 व्यक्तियों को विदेश भेजना—बोर्ड, केन्द्रीय सरकार को पूर्ण मजूरी के बिना अपने किसी अधिकारी या अपने किसी सदस्य को विदेश नहीं भेजेगा।

अध्याय 5

बोर्ड, उसके अध्यक्ष और उसके सचिव की शक्तियाँ

23 व्यय उपगत करने की शक्ति—(1) बोर्ड, अधिनियम और इन नियमों के उपबन्धों के और केन्द्रीय सरकार द्वारा राजस्व और व्यय के सबंध में विरचित नियमों और जारी किये गये आदेशों के, जो तत्समय प्रवृत्त हों, अधीन रहते हुए, बजट में उपबद्धित पदों पर तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा मजूर की गई रकम के भीतर ऐसा व्यय उपगत कर सकता है जो वह ठीक समझे।

(2) बोर्ड उन शीर्षों और व्यय शीर्षों के बीच पुनर्वित्तियोजन कर सकता है।

(3) बोर्ड, किसी मद पर, केन्द्रीय सरकार को पूर्व मजूरी के बिना, भारत के बाहर कोई व्यय उपयुक्त नहीं कर सकता है।

24 सविदाएँ—बोर्ड अधिनियम के अधीन उसे न्यूनतम कृत्यों के निर्वहन के लिये कोई भी सविदा कर सकता है।

परन्तु—

(क) ऐसी प्रत्येक सविदा के लिये, जिसका विस्तार तीन वर्ष की अवधि से अधिक है या जिसमें एक लाख रुपये से अधिक का व्यय अन्तर्बिलित है, और

(ख) फर्मों या विदेशी सरकारों से तकनीकी सहयोग या उनकी परामर्श-सेवा के लिये किये गये प्रत्येक करार या सविदा के लिये, कन्द्रीय सरकार की पूर्व मजूरी अपेक्षित होगी।

(2) सविदायें तब तक बोर्ड पर प्रावश्यकता नहीं होगी जब तक कि उन्हें अध्यक्ष या बोर्ड द्वारा अधिकृत कोई अधिकारी निष्पादित नहीं करता है।

(3) अध्यक्ष या बोर्ड का कोई अधिकारी या उसका कोई सदस्य बोर्ड द्वारा निष्पादित किसी हस्तान्तरण पत्र या सविदा के अधीन व्यक्तिगत रूप से दायी नहीं होगा और ऐसे हस्तान्तरण पत्र या सविदाओं के अधीन उत्पन्न होने वाले किसी भी बायिल को बोर्ड के व्यापकीय धन में से चुकाया जायेगा।

25 शक्तियों का प्रत्यायोजन—(1) बोर्ड को, किसी समिति को ऐसी शक्तियाँ जो वह ठीक समझे, प्रत्यायोजित करने के की शक्ति है।

(2) बोर्ड द्वारा नियुक्त प्रत्येक समिति, या अधिनियम के अधीन उसके द्वारा उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग, ऐसे अनुदेशों, निर्देशों या परि-सोमात्रा के, यदि कोई हैं, जो बोर्ड के सदस्य द्वारा परिनिश्चित की जायें, अधीन रहते हुए करेगी और प्रत्येक समिति के सभी कार्य बोर्ड के नियन्त्रणाधीन होंगे और बोर्ड ऐसे किसी भी कार्य को, रद्द, निलम्बित या उन्मूलित जैसा वह ठीक समझे, कर सकता है।

26 शक्तियों के प्रत्यायोजन पर निर्बंधन—बोर्ड निम्नलिखित में से कोई भी शक्ति, किसी समिति को प्रत्यायोजित, नहीं करेगा—

(क) किसी एकल मद की बाबत 20,000 रुपये से अधिक का अनावर्ती व्यय और ऐसा अनावर्ती व्यय जिसमें किसी एकल मद पर एक वर्ष के भीतर 20,000 रु० से अधिक की लागत अन्तर्बिलित है, मजूर करने की शक्ति,

(ख) बोर्ड को और से बोर्ड का बजट प्राक्कलन अंगीकार करने की शक्ति,

(ग) किसी एकल मद के मामले में 2500 रुपये से अधिक की प्राक्कलित खचन के पुनर्वित्तियोजन की शक्ति, और

(घ) धारा 7 के अधीन पदों के सृजन की शक्ति।

27 माधारण वित्तीय सव्यवहार—इन नियमों में अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, कन्द्रीय सरकार के सत्यमय प्रकृत कन्द्रीय खजाना नियम, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियम, 1978 के उपबन्ध और साधारण वित्तीय नियम, 1963, ऐसे उपान्तरी या अनुकूलना के अधीन जो बोर्ड केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से उनमें करे, बोर्ड के सभी वित्तीय सव्यवहारों की जांच होगी।

28 अध्यक्ष की शक्तियाँ और कर्तव्य—(1) अध्यक्ष, बोर्ड के मुख्य कार्यपालक के रूप में, अधिनियम के अधीन उपबन्धित रूप में, बोर्ड के उचित रूप में कार्य करने रहने के लिये, बोर्ड की नीतियों का कर्मनिर्वाह के लिये और उसके कृत्यों के निर्वहन के लिये तथा इन नियमों और बोर्ड द्वारा विरचित विनियमों के अधीन कर्तव्यों के लिये जिम्मेदार होगा।

(2) अध्यक्ष भी यह जिम्मेवारी होगी कि वह यह सुनिश्चित करे कि उपनियम (1) के अधीन कृत्यों और कर्तव्यों का निष्पादन करने में बोर्ड, राज्य सरकारों, सब और अन्य अधिकारणों, संस्थानों और प्राधिकरणों जैसे कि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, विपणन और निरीक्षण निदेशालय कायम बोर्ड, नारियल उगाने वाले राज्यों में कृषि विश्वविद्यालयों, केरल राज्य नारियल विकास निगम और नारियल उद्योग से संबंध अन्य संस्थानों तथा संगठनों से निकट सम्पर्क में कार्य करता है और एक ही कार्य को दुबारा करने से बचना है। अध्यक्ष की यह भी जिम्मेवारी होगी कि वह यह सुनिश्चित करे कि उपनियम (1) के अधीन कृत्यों और कर्तव्यों के कार्यन्वयन में, छोटे किसानों और उत्पादकों के हितों के संरक्षण के लिये इस प्रकार समुचित अभ्युपाय किये जा रहे हैं जिनमें कि वे भी, नारियल उद्योग के विकास और संवर्धन में भाग ले सकें और अपने फायदाप्राप्ति हो सकें।

(3) अध्यक्ष, इन नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, इन नियमों के अधीन, अपनी शक्तियों का प्रत्यायोजन बोर्ड के किसी अन्य अधिकारी को कर सकता है।

(4) अध्यक्ष को बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टी मजूर करने की शक्ति है और वह अपनी इस शक्ति का प्रत्यायोजन बोर्ड के किसी अन्य अधिकारी का, ऐसी शर्तों के, जो वह ठीक समझे, अधीन रहते हुए कर सकता है।

(5) अध्यक्ष, बोर्ड के सभी विभागों और अधिकारियों पर, जिनके अन्तर्गत मुख्य नारियल विकास अधिकारी और सचिव भी हैं, प्रशासनिक नियंत्रण रखेगा।

(6) अध्यक्ष को—

(i) अधिनियम या इन नियमों के अधीन अपेक्षित रूप में या बोर्ड के किसी भी कृत्य के उचित निर्वहन के लिये आवश्यक समझे जाने पर, भण्डार और कारखाना संबंधी दस्तावेजों और अभिलेखों को मगाने की, और लेखाओं तथा स्वानों का निरीक्षण करने या करवाने की—

(ii) बोर्ड के कार्यालय के अंतर्गत और कार्यकरण के लिये, नियम 28 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, आकस्मिकता/पूर्ति और सेवाओं के लिये तथा वस्तुएं क्रय की जाने के लिये, व्यय मजूर करने की; और

(iii) धारा 10 के अधीन उपबन्धित रूप में, अधिनियम के उद्देश्यों को अग्रसर करने के लिये उपाय करने की, शक्ति प्राप्त है।

(7) अध्यक्ष, लिखित आदेश द्वारा, उपनियम (6) के अधीन अपनी किसी भी शक्ति का बोर्ड के किसी अधिकारी को प्रत्यायोजन कर सकता है।

(8) अध्यक्ष का, बोर्ड या उसकी किसी समिति में, यथान्विति, बोर्ड या उस समिति द्वारा किए गए किसी विनिश्चय के अनुमरण में, उस समय तक कोई कार्रवाई करने से रोकने की शक्ति है जब तक ऐसे विनिश्चय पर कन्द्रीय सरकार की निर्देश लक्षित है।

(9) यदि बोर्ड या उसकी किसी समिति द्वारा किसी मामले का निपटारा किया जाता है और उस मामले की जांच, वाद या मर्मति का अधिवेशन होन तक या सबब कागजातों के बोर्ड या समिति के सदस्यों के बीच परिष्कारन तक विनिश्चय की प्रतीक्षा नहीं की जा सकती है तो अध्यक्ष ऐसे मामले पर स्वयं अपेक्षित विनिश्चय कर सकता है।

(10) यदि अध्यक्ष ऐसा विनिश्चय करता है तो वह उसे यथास्थिति बोर्ड या समिति के अनुसमर्थन के लिये उसके आगामी अधिवेशन में प्रस्तुत करेगा।

परन्तु यदि बोर्ड या समिति, अध्यक्ष द्वारा किये गये विनिश्चय को उपात्तरिण करती है या उसे मिश्रभाव कर देती है तो ऐसा उपात्तरिण

या निष्प्रभावत इस प्रकार के उपांतरण या निष्प्रभावत के पूर्व किए गए किसी कार्य की विधिमान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

29. उपाध्यक्ष की शक्तियाँ और कर्तव्य :—उपाध्यक्ष, अध्यक्ष की अनुपस्थिति में, बोर्ड या उसकी समितियों के अधिवेशनों की अध्यक्षता करेगा और अध्यक्ष की ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का पालन करेगा जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे।

30. मुख्य नारियल विकास अधिकारी की शक्तियाँ और कर्तव्य :—मुख्य नारियल विकास अधिकारी, अध्यक्ष के अधीन, बोर्ड के तकनीकी पक्ष के प्रधान के रूप में कृत्य करेगा और ऐसी शक्तियों का प्रयोग तथा ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे।

31. सचिव की शक्तियाँ और कर्तव्य :—(1) सचिव बोर्ड या उसकी समितियों द्वारा किये गये विनिश्चयों के क्रियान्वयन के लिये और अधिनियम या इन नियमों द्वारा उस पर अधिराजित कर्तव्यों के निर्वहन के लिये जिम्मेदार होगा।

(2) ऐसी शक्तियों और कर्तव्यों के अधीन रहते हुए, जो अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे, सचिव—

- (क) सभी महत्वपूर्ण कामकाज और मामले बोर्ड के समक्ष यथामध्यम शीघ्र प्रस्तुत करेगा;
- (ख) बोर्ड के विनिश्चयों के क्रियान्वयन का रीति के सम्बन्ध में निवेदन जारी करेगा;
- (ग) इस अधिनियम के अधीन प्राप्त सभी रकमों के लिये बोर्ड की ओर से रसीद प्रस्तुत करेगा;
- (घ) बोर्ड की प्राप्तिशर्तों और व्यय का एक लेखा और अधिनियम या इन नियमों के अधीन बोर्ड के लिये विहित विभिन्न रजिस्टर भी, रखेगा या रखाएगा;
- (ङ) बोर्ड के कामकाज पर एक वार्षिक प्रारूप रिपोर्ट बोर्ड के समक्ष, उसके अनुमोदन के लिये, प्रस्तुत करेगा और बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रारूप में केन्द्रीय सरकार को, उस सरकार द्वारा इस निमित्त समय-समय पर विनिर्दिष्ट तारीखों के अनुसार संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखे जाने के लिये, रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा; और
- (च) सभी प्रशासनिक मामलों और ऐसे अन्य कृत्यों के निर्वहन में जिनके बारे में अध्यक्ष निदेश दे, अध्यक्ष की सहायता करेगा।

अध्याय 6

बोर्ड का विस्तार, बजट और लेखा

32. बजट प्रारूप :—(1) बोर्ड, प्रति वर्ष आगामी वित्तीय वर्ष के लिये बजट प्रारूप और चारू वर्ष के लिये प्रतिरीक्षित प्रारूप तैयार करेगा और उसे केन्द्रीय सरकार को, उस सरकार द्वारा नियत की गई तारीख का या उससे पूर्व, मंजूरी के लिये प्रस्तुत करेगा। मंजूर होने के पश्चात् पुनरीक्षित बजट मूल बजट को अधिकांश कर देगा और वह वर्ष के लिये मंजूर किया गया बजट समझा जायेगा।

(2) कोई भी व्यय जब तक उपगत नहीं किया जायेगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार बजट मंजूर नहीं कर लेती और व्यय के लिये सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी अधिप्राप्त नहीं हो जाती।

(3) बजट ऐसे अनुदेशों के अनुसार, जो समय-समय पर जारी किये जायें, और ऐसे प्रारूप में जैसा केन्द्रीय सरकार निदेश दे, तैयार किया जायेगा। इसमें निम्नलिखित का कथन किया जायेगा :

(i) प्रारूपित आवि अतिशेष;

(ii) अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट प्रारूपित प्राप्तिशर्त; और

(iii) निम्नलिखित शीर्षों और उपशीर्षों के या ऐसे अन्य शीर्षों और उपशीर्षों के, जैसा कि केन्द्रीय सरकार निदेश दे, अधीन वर्गीकृत प्राक्कलित व्यय, अर्थात् :—

शीर्ष :

(क) प्रशासन;

(ख) नारियल-उत्पादन विकास, जिनके अन्तर्गत नारियल उगाने वालों के बीच सहकारिता के प्रयासों का उन्नयन और खेती के सम्मुन्नत तरीकों के लिये सहायता भी है;

(ग) नारियल और उसके उत्पादों के लिये विज्ञान, जिनके अन्तर्गत श्रेणीकरण भी है, नुविद्याओं का सम्मुन्नत;

(घ) नारियल और उनके उत्पादों पर अनुसंधान;

(ङ) विस्तारण विद्याकलाप, जिसके अन्तर्गत प्रचार और प्रसार भी है;

(च) सांख्यिकी;

(छ) संकर्म; और

(ज) प्रकीर्ण।

उपशीर्ष :

(क) वेतन;

(ख) मजदूरी;

(ग) यात्रा व्यय;

(घ) कार्यालय व्यय;

(ङ) मशीनरी और उपकरण;

(च) सामग्री और प्रदाय;

(छ) किराया, रेंट और कर;

(ज) प्रकाशन; और

(झ) अन्य प्रसार।

(iv) आगामी वित्तीय वर्ष के लिये क्रियाकलापों का कार्यक्रम।

(4) व्यय के अनुसूचक प्राक्कलन, यदि कोई है, केन्द्रीय सरकार को, उसकी मंजूरी के लिये ऐसे प्रारूप में और ऐसी तारीखों का, जैसा केन्द्रीय सरकार इस निमित्त निदेश दे, प्रस्तुत किये जायेंगे।

33. बोर्ड का लेखा :—(1) बोर्ड प्रत्येक वर्ष से संबंधित सभी प्राप्तिशर्तों और व्ययों का लेखा रखेगा और अभिलेख इस प्रकार रखेगा कि प्रतिवर्ष प्रति और संवत् लेखा, आव और व्यय लेखा और तुलन पत्र तैयार किये जा सकें। वह लेख बोर्ड अनुमोदित करेगा और संपरीक्षक को प्रस्तुत किये जायेंगे।

(2) ऊपर मध (1) में उल्लिखित रूप में बोर्ड के वार्षिक लेख तथा उस पर संपरीक्षक की रिपोर्ट, अधिनियम की धारा 15(4) के अधीन उपबन्धित रूप में, प्रतिवर्ष, वर्ष का समाप्ति के पश्चात् और किसी भी दिनांक, में, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट तारीखों से पूर्व, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखे जाने के लिये, यथासंभव शीघ्र, केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत किये जाएंगे।

(3) इस नियम में अन्तर्लिखित किसी बात पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बोर्ड, प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् केन्द्रीय सरकार को, इसके द्वारा विनिर्दिष्ट प्रारूप में एक रिपोर्ट आवधिक से अधिक 30 जून तक प्रस्तुत करेगा जिसमें पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान बोर्ड के क्रियाकलापों, नीति और कार्यक्रमों का सही और पूर्ण उल्लेख किया जायेगा।

34. बोर्ड की निधियों का धन में निक्षेप और ऐसी निधियों का विनिर्माण :—(1) खुदरा नकदी और अधिशेष धन को छोड़कर बोर्ड के

चालू वषय के लिये अपेक्षित धन, भारतीय स्टेट बैंक या अन्य किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में चालू खाते में रखा जायेगा और अपेक्षानुसार उससे से लेनदेन किया जायेगा तथा वषय, उसकी मंजूरी के पश्चात् ही, इस खाते से धन निकाल कर उपगत किया जायेगा।

(2) बोर्ड की पेशान निधि या भविष्य निधि की राशि ओ चालू वषय के लिये अपेक्षित नहीं है, अनुमत विस्तार तक न्यास प्रतिभूतियों या वस धर्मीय खजाना बचत निक्षेप प्रमाणपत्र या राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र या राष्ट्रीय रक्षा प्रमाणपत्रों से प्रथवा भारतीय स्टेट बैंक में या उसको किसी समनुवर्गियों में या यदि केन्द्रीय सरकार अनुमोदित करे तो, किसी अन्य अनुसूचित बैंक में निनिहित की जा सकेगी।

(3) बोर्ड द्वारा या उसकी ओर से संदाय, नकदी में या बोर्ड के चालू खाता पर लिखी गई चेक द्वारा किया जायेगा।

(4) बोर्ड की निधियों की बाबत ऐसी चेको और उनके निक्षेप या विनिधान या प्रत्याहरण के या किसी अन्य रीति से उनके व्ययन के लिये सभी प्रादेशों पर हुस्ताक्षर मजबूत करेगा और अध्यक्ष या अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उसके द्वारा सम्यक्त्तः प्राधिकृत बोर्ड का कोई अन्य अधिकारी उस पर प्रतिहस्ताक्षर करेगा।

अध्याय 7

प्रकीर्ण

35. रिपोर्ट और विवरण—(1) अध्यक्ष या अध्यक्ष द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी को निम्नलिखित से, नारियल या नारियल के किसी अन्य उत्पाद की बाबत कोई भी जानकारी या सांख्यिकी संग्रह की शक्ति होगी :

- (i) नारियल उगाने वाले से,
 - (ii) नारियल या कांपरा के, जिसके अन्तर्गत खोपरा भेषण उद्योग भी है, व्यवहारियों से,
 - (iii) नारियल उत्पाद के विनिर्माताओं से, और
 - (iv) नारियल उद्योग या नारियल उत्पादों के व्यवहार में लगे हुए या किसी प्रकार उससे सम्बद्ध किसी व्यक्ति या फर्म या कंपनी या किसी अन्य संस्था से।
- (2) बोर्ड अपने क्रियाकलापों का एक कार्यक्रम जिसके अन्तर्गत प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये विकास-कार्यक्रम भी है, ग्रथिम रूप में प्रस्तुत करेगा। यह कार्यक्रम हर दश में चालू वित्तीय वर्ष के 31 दिसम्बर तक इटाल इन्टर, कर दिया जाए।

[मं० एक० 12(16)/78-सी० ए०-1]

आर० सी० सूद, प्रप्र. सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

COCONUT INDUSTRY DEVELOPMENT CONTROL

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th January, 1981

G.S.R. 34(E).—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Coconut Development Board Act, 1979 (5 of 1979), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

CHAPTER I

Preliminary

Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Coconut Development Board rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Coconut Development Board Act, 1979 (5 of 1979);
- (b) "Committee" means any of the committees appointed by the Board under section 9;
- (c) "Secretary" means the secretary to the Board;
- (d) "Section" means a section of the Act;
- (e) "Vice-Chairman" means the Vice-Chairman of the Board;
- (f) "Chief Coconut Development Officer" means Chief Coconut Development Officer appointed under sub-section (2) of section 7;
- (g) The words and expressions used and not defined, but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

CHAPTER II

The Board and Its Committees

3. Manner of filling vacancies among members.—(1) The Central Government may make such consultations as it may think fit, before appointing the representatives of the interests specified in clauses (f), (i), (j) and (k) of sub-section (4) of section 4.

(2) When a member of the Board dies or resigns or is deemed to have resigned or is removed from office or becomes incapable of acting, the Central Government may by notification in Official Gazette appoint a person to fill that vacancy :

Provided that where the vacancy is one which was held by the outgoing member by virtue of his membership of Parliament under clause (e) of sub-section (4) of section 4, the appointment of the next incumbent of that vacancy shall be on the basis of fresh election by that House of Parliament to which the outgoing member belonged.

4. Term of office of members.—(1) Save as hereinafter provided,—

- (i) a member shall hold office for a period not exceeding three years from the date of his appointment.
- (ii) a member appointed under sub-section (4) of section 4 shall cease to be a member of the Board if he ceases to be a member of the House of Parliament by which he was so elected, or ceases to represent the category/interest from which he was so appointed :

Provided that a member shall be eligible for re-appointment.

(2) A person appointed to fill a casual vacancy under sub-rule (2) of rule 3 shall hold office so long as the member whose place he fills would have been entitled to hold office, if the vacancy had not occurred.

5. Resignation.—(1) The office of a member shall fall vacant from the date on which his resignation is accepted or on the expiry of thirty days from the date of receipt of intimation of resignation, whichever is earlier.

(2) The power to accept the resignation of a member shall vest in the Chairman, who on accepting the resignation, shall report that to the Board at its next meeting.

6. Removal from Board.—The Central Government may remove any member from office—

- (a) if he is of unsound mind and stands so declared by a competent Court; or
- (b) if he is an undischarged insolvent; or
- (c) if he is convicted of an offence involving moral turpitude; or
- (d) if without the leave of the Chairman, he fails to attend three consecutive meetings of the Board.

7. Absence from India.—(1) Before a member of the Board goes out of India—

(a) he shall intimate the Secretary the date of his departure from and the date of his expected return to India;

(b) if he intends to be absent from India for a period longer than six months, he shall tender his resignation.

8. Membership Roll.—The Secretary shall keep a record of the names of members and their addresses.

9. Change of address.—A member shall keep the Secretary informed of any change in his address and if he fails to inform the change of address, the address in the official records shall for all purposes be deemed to be his correct address.

10. Chairman.—The Chairman who shall also be the Chief Executive of the Board shall be appointed by the Government of India from amongst persons having knowledge and experience of coconut production, development and processing.

11. Vice-Chairman.—(1) The Board shall elect, in each year from amongst its members, a Vice-Chairman for a period of twelve months commencing from the date of his election, or if the election is held before the expiry of the term of office of an existing Vice-Chairman, from the date on which such Vice-Chairman would vacate the office.

(2) If a casual vacancy occurs in the office of the Vice-Chairman on account of resignation or his ceasing to be a member or otherwise, the Board shall, at its next meeting, elect another member to be the Vice-Chairman who shall hold office for the unexpired portion of the term of the Vice-Chairman who has resigned or ceased to be a member of the Board.

CHAPTER III

Travelling and other Allowances to members of the Board/Committee under the Board and persons Associated by the Board

12. Travelling and other allowances to members of the Board and its committees and persons associated with the Board under section 4(8) or co-opted as member of its committees under section 9(2).—(1) A member of the Board or its committee or a person associated with the Board under section 4(8) or a person co-opted as a member of a committee under section 9(2), other than a Government servant, shall be entitled to draw in respect of any journey performed by him for the purpose of attending a meeting of the Board or of a duly constituted committee thereof, or for the purpose of discharging any duty assigned to him by the Board or the committee concerned, travelling allowance and daily allowance at the highest rates admissible to Government servants of the first grade under the rules and orders made by the Central Government and for the time being in force:

Provided that, the payment of travelling allowance and daily allowance to the Members of the Parliament shall be regulated in accordance with the Salary, Allowances and Pension of Members of Parliament Act, 1954.

(2) In the case of any journey performed by an official of the Central or the State Government specially nominated by the Board to serve on any ad hoc committee or any other committee or to attend to any other business of the Board, the travelling and daily allowances admissible to him shall be payable by the Board, at the rates admissible to him under the rules of the Government under which he is for the time being employed.

(3) No travelling allowance or daily allowance, shall be allowed to a member of the Board or its committee or any other person associated by the Board or co-opted by its committee unless he certifies that he has not drawn any travelling or daily allowance from any other source in respect of the journey and halt for which the claim is made.

(4) Travelling allowance shall be payable from the usual place of residence of a member or the person entitled under

these rules, to the place of the meeting or the place where he has gone to attend to any business of the Board or any of its committees and back to his place of residence:

Provided that, when the journey commences from or the return journey terminates at any place other than his usual place of residence, the travelling allowance shall be limited to the amount that would have been payable had the journey commenced from or terminated at the usual place of residence; or to the amount payable in respect of the actual journey undertaken whichever is less:

Provided further that, in special circumstances and with previous approval of the Central Government, the Chairman may grant travelling allowance from places other than the usual place of residence of a member.

(5) The chairman shall be the controlling officer for the purpose of travelling and daily allowance of the members of the Board or of any committee or the persons associated with the Board or co-opted as member of any committee.

13. Conveyance Allowance.—No conveyance allowance for attending meetings of the Board or any of the committees of the Board or for attending to any other business of the Board, shall be paid to those members or persons who draw travelling or daily allowance:

Provided that, a member or a person who is resident at a place where the meeting of the Board or any of the committees is held or where any other business of the Board is transacted, may be paid the actual expenditure incurred on conveyance by him subject to a maximum of rupees ten per day.

14. Payment of fees.—Fees may be paid upto a limit of Rs. 1000/- to a person associated by the Board or to a person co-opted as a member of a committee of the Board for special work of occasional or intermittent character, in furtherance of the objectives of the Board and in compliance with any of the provisions of the Act:

Provided that, the admissibility of fees and its quantum in each case will be decided in accordance with the relevant rules and orders framed by the Central Government:

Provided further that, fees beyond the limit of Rs. 1000/- to one person during a year can be sanctioned only with the prior approval of the Central Government.

15. Travelling and daily allowances, etc. for journey undertaken outside India.—No travelling allowance for any journey undertaken outside India shall be paid to any member of the Board or any Committee or any person associated with the Board or co-opted as member of any Committee:

Provided that, if any member of the Board or any Committee with the previous consent of the Central Government, travels outside India in the interest of the Board, he shall be entitled to receive travelling and other allowances at such rates as may be sanctioned by the Central Government from time to time for non-official members of a delegation sent by it outside India.

CHAPTER IV

The Board and its Establishment

16. Board's Establishment.—(1) The Board may, subject to availability of funds either by inclusion of a specific budget provision for the purpose or by savings under an appropriate head or by valid re-appropriation, sanction posts as provided for under sub-section (6) of section 7 and in accordance with the staff Regulations framed for the purpose with the approval of the Central Government, if in its opinion such creation of posts is considered necessary for the efficient performance of its functions:

Provided that no post carrying a pay or a scale of pay the maximum of which is above Rs. 1300 per mensem shall be created and appointments made thereto without the previous sanction of the Central Government:

(2) Subject to the conditions specified in sub-rule (1)—

(a) the chairman may make appointments to Group 'C' posts carrying a pay or a scale of pay, the maximum of which is less than Rs. 900 per mensem;

(b) the chairman may make appointments to Group 'D' posts also. ..

17. Abolition of posts.—The Board may abolish any post which it is competent to create.

18. Filling of posts by direct recruitment.—All vacancies in the rank of officers carrying a pay, or a scale of pay, the maximum of which is above Rs. 1200/-per mensem or in any other posts classified as technical posts, to be filled by direct recruitment, shall be advertised, and all vacancies in other ranks shall be notified to the local Employment Exchange concerned, and other agencies, in accordance with rules and regulations in force in respect of vacancies under the Central Government and appointments shall be made from among the persons making application in pursuance of the advertisement or the candidates recommended by the Employment Exchange, as the case may be.

19. Filling of posts by promotion.—In filling vacancies by promotion in respect of the categories of posts referred to in sub-rule (2) of rule 16, the Chairman shall consider the claims of all candidates eligible for promotion to such posts.

20. Pay, leave, allowance, etc.—The pay, leave allowances, pension and retirement benefits, and other conditions of service and other facilities and concessions such as advances of pay, advances for purchase of conveyances, construction of houses and the like, in respect of all employees appointed by the Board, shall be regulated in accordance with such rules and regulations as are for the time being applicable to officers and employees of the Central Government of the corresponding grades or status stationed at those places till separate regulations are made by the Board.

21. Posting and transfers.—Posting and transfers of all officers and employees of the Board shall be made by the Chairman in accordance with the staff Regulations framed with the approval of the Central Government but the Chairman may delegate this power to the other officers of the Board subject to such conditions as he thinks fit.

22. Sending persons abroad.—The Board shall not send any officer of the Board or any member of the Board to places outside India without the previous sanction of the Central Government.

CHAPTER V

Powers of the Board, the Chairman and the Secretary

23. Power to incur expenditure.—(1) Subject to the provisions of the Act and these rules and the rules made and orders issued by the Central Government relating to revenue and expenditure for the time being in force, the Board may incur such expenditure as it may think fit on items provided for and within amounts sanctioned by the Central Government, in the budget.

(2) The re-appropriations between sub-heads and heads of expenditure may be made by the Board.

(3) The Board shall not incur expenditure outside India on any item without the previous sanction of the Central Government.

24. Contracts.—(1) The Board may enter into any contract for the discharge of the functions entrusted to it under the Act:

Provided that—

(a) every contract which extends over a period of more than three years or involves an expenditure in excess of rupees one lakh; and

(b) every agreement or contract for technical collaboration or consultation services with firms or foreign Governments shall require the previous sanction of the Central Government.

(2) Contracts shall not be binding on the Board unless they are executed by the Chairman or any officer authorised by the Board.

(3) Neither the Chairman nor any officer of the Board nor any member thereof shall be personally liable under any assurances or contracts made by the Board and any liability arising under such assurances or contract shall be discharged from the moneys at the disposal of the Board.

25. Delegation of powers.—(1) The Board shall have power to delegate to a committee such powers as it deems fit.

(2) Every committee appointed by the Board shall exercise the powers conferred on it by or under the Act, subject to such instructions, directions or limitations, if any, as may be defined by resolution of the Board and all acts of every committee shall be subject to the control of the Board which may cancel, suspend or modify, as it thinks fit, any such act.

26. Restrictions on delegation of powers.—The Board shall not delegate any of the following powers to any committee:—

(a) The powers to sanction non-recurring expenditure in excess of Rs. 20,000 in respect of any single item and recurring expenditure which involves an outlay of more than Rs. 20,000 in a year on any single item;

(b) the power to adopt the budget estimates of the Board on its behalf;

(c) the power to reappropriate estimated savings in excess of Rs. 2,500 in the case of any single item; and

(d) the power to create posts under section 7.

27. Financial transactions in general.—Except as otherwise provided in these rules, the provisions of the Central Treasury Rules, the Delegation of Financial Power Rules, 1978 and the General Financial Rules, 1963 of the Central Government, for the time being in force, shall, subject to such modifications or adaptations as may be made by the Board therein with the previous approval of the Central Government apply to all financial transactions of the Board.

28. Powers and duties of Chairman.—(1) The Chairman shall, as the Chief Executive of the Board, be responsible for the proper functioning of the Board implementing the Board's policies and the discharge of its functions as provided under the Act and the duties under these rules and the regulations framed by the Board.

(2) It shall be the responsibility of the Chairman to ensure that in carrying out the functions and duties under sub-rule (1), the Board works in close liaison with the State Governments, Union and other Agencies Institutions and authorities such as the Indian Council of Agricultural Research, Directorate of Marketing and Inspection, Coir Board, the Agricultural Universities in the coconut growing states, the Kerala State Coconut Development Corporation and other institutions and organisations concerned with the coconut industry and avoids duplication of efforts. It shall also be the responsibility of the Chairman to ensure that in carrying out the functions and duties under sub-rule (1), appropriate measures are taken to protect the interests of small farmers and producers so that they may become participants in and beneficiaries of, the development and growth of coconut industry.

(3) Subject to the provisions of these rules, the Chairman may delegate his powers under this rule to any other officer of the Board.

(4) The Chairman shall have the power to grant leave to all officers and employees of the Board and may delegate this power to any other officer of the Board subject to such conditions as he thinks fit.

(5) The Chairman shall exercise administrative control over all departments and officers of the Board including the Chief Coconut Development Officer and the Secretary.

(6) The Chairman shall have powers,—

(i) to call for documents and records and to inspect or cause to be inspected, accounts and places of storage or of business as required under the Act or these rules or as may be considered necessary for discharging properly any of the functions of the Board.

(ii) to sanction expenditure, subject to the provisions of rule 26, for contingencies, supplies and services and purchase of articles required for the maintenance and working of the office of the Board, and

(iii) to carry out the measures in furtherance of the objects of the Act, as provided for under section 10

(7) The Chairman may by order, in writing, delegate any of his powers under sub-rule (6) to any other officer of the Board.

(8) The Chairman shall have power to require the Board or any committee thereof to defer taking action in pursuance of any decision taken by the Board or the committee, as the case may be, pending a reference to the Central Government on such decision.

(9) Where a matter has to be disposed of by the Board or a committee thereof and decision in respect of that matter cannot wait till a meeting of the Board or the committee, as the case may be, is held or till completion of circulation of the relevant papers among the members of the Board or the committee, the Chairman may take required decision himself.

(10) Where the Chairman takes such decision, he shall submit the same for ratification by the Board or the committee, as the case may be, at its next meeting:

Provided that, if the Board or the committee modifies or annuls the decision taken by the Chairman, such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of any action taken before such modification or cancellation.

29. Powers and duties of Vice-Chairman.—The Vice-Chairman shall preside over the meetings of the Board and its committees in the absence of Chairman and shall exercise such powers and perform such functions of the Chairman as may be delegated to him by the Chairman.

30. Powers and duties of the Chief Coconut Development Officer.—The Chief Coconut Development Officer shall function as the Head of the technical wing of the Board under the Chairman and shall exercise such powers and perform such duties as may be delegated to him by the Chairman.

31. Powers and duties of Secretary.—(1) The Secretary shall be responsible for the implementation of the decisions arrived at by the Board or by its committees and the discharge of the duties imposed on him under the Act or by these rules.

(2) Subject to such powers and duties as may be delegated by the Chairman, the Secretary shall—

- (a) cause all important papers and matters to be presented to the Board as early as practicable;
- (b) issue directions as to the method of carrying out the decisions of the Board;
- (c) grant receipt on behalf of the Board for all moneys received under the Act;
- (d) maintain or cause to be maintained an account of the receipt and expenditure of the Board and also the various registers that may be prescribed for the Board under the Act or these rules;
- (e) present an annual draft report on the working of the Board to the Board for approval and submit the report in the form approved by the Board to the Central Government not later than the dates specified from time to time in this behalf by the Central Government for being laid on the table of both Houses of Parliament; and
- (f) assist the Chairman in all administrative matters and in discharge of such other functions as the Chairman may direct.

CHAPTER VI

FINANCE, BUDGET AND ACCOUNTS OF THE BOARD

32. Budget Estimates.—(1) The Board shall in each year, prepare budget estimates for the ensuing financial year and revised estimates for the current year and shall submit it for sanction to the Central Government on or before such date as may be fixed by the Government. The revised budget when sanctioned shall supersede the original budget and shall be deemed to be the sanctioned budget for the year.

(2) No expenditure shall be incurred until the budget is sanctioned by the Central Government and the expenditure has received the sanction of the competent authorities.

(3) The budget shall be prepared in accordance with such instructions as may be issued from time to time and be in such form as the Central Government may direct. It shall include a statement of—

- (i) the estimated opening balance;
- (ii) the estimated receipts referred to in sub-section (1) of section 13 of the Act; and
- (iii) the estimated expenditure classified under the following heads and sub-head or such other heads and sub-heads as the Central Government may direct namely:—

Heads:

- (a) Administration;
- (b) Development of coconut production including promotion of co-operative efforts among coconut growers and assistance for improved methods of cultivation;
- (c) Improvement of marketing facilities for coconut and its products including grading;
- (d) Research on coconut and its products;
- (e) Extension activities including propaganda and publicity;
- (f) Statistics;
- (g) Works; and
- (h) Miscellaneous.

Sub-heads:

- (a) Salaries;
- (b) Wages;
- (c) Travel expenses;
- (d) Office expenses;
- (e) Machinery and equipment;
- (f) Materials and supply;
- (g) Rents, rates and taxes;
- (h) Publications; and
- (i) Other charges;
- (iv) Programme of activities for the ensuing financial year.

(4) Supplementary estimates of expenditure, if any, shall be submitted for the sanction of the Central Government in such form and on such dates as may be directed by it in this behalf.

33. Accounts of the Board.—(1) The Board shall maintain accounts of all receipts and expenditure relating to each year and maintain records in such a manner as to prepare annually the receipts and payment account and income and expenditure account and a balance sheet. These accounts shall be approved by the Board and submitted to Auditors.

(2) The annual accounts of the Board as mentioned in sub-rule (1), together with Auditor's Report thereon, as provided under section 15 (4) of the Act, shall be submitted annually to the Central Government as soon as possible after the close of the year, and in any case, not later than the dates specified in this behalf by the Central Government for being laid on the tables of both Houses of Parliament.

(3) Without prejudice to anything contained in this rule the Board shall, after the end of each financial year, submit to the Central Government a report in a form to be decided by the Central Government giving a true and full account of its activities, policy and programmes during the previous financial year latest by the 30th June

34 Deposit of funds of the Board in Banks and investment of such funds—(1) Money required for the current expenditure of the Board with the exception of petty cash and surplus moneys shall be kept in current account in the State Bank of India or any of the nationalised banks and operated as per requirements and expenditure shall be incurred only after sanction thereof by withdrawing money from this Account

(2) Funds in the Board's Pension Fund or Provident Fund, not required for current expenditure, may be invested in Trustee Securities or Ten Year Treasury Savings Deposit Certificates or National Savings Certificates or National Defence Certificates to the extent permissible or in fixed deposit with the State Bank of India or any of its subsidiaries or, if approved by the Central Government, with any other scheduled bank

(3) Payment by or on behalf of the Board shall be made in cash or by cheque drawn against the current account of the Board.

(4) Such cheques and all orders for making deposit or investments or withdrawal of the same, or for the disposal

in any other manner, of the funds of the Board shall be signed by the Secretary and countersigned by the Chairman or in the absence of the Chairman, any other officer of the Board duly authorised by him

CHAPTER VII

MISCELLANEOUS

36 Reports and returns—(1) The Chairman or any other officer authorised by the Chairman shall have power to call for any information on statistics in respect of coconut or any other product of coconut from —

- (i) growers of coconut,
- (ii) dealers in coconut or copra including copra milling industry,
- (iii) manufacturers of coconut product, and
- (iv) any person or firm or company or any other institution dealing in, or having any connection with coconut industry or coconut products

(2) The Board shall furnish a programme of its activities including developmental programmes for each financial year in advance and not later than 31st December of the current financial year

[No F 12(16)/78 C A II]

R C SOOD Addl Secy